Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ संकष्टी चतुर्थी गणेश पूजा ॥

॥ ॐ गं गणपतये नमः ॥

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ व्रत की तैयारी और सामग्री ॥

संकष्टी चतुर्थी पूर्णिमा के बाद आने वाली कृष्ण पक्ष की चतुर्थी है। व्रत का दिन प्रायः उस चतुर्थी से तय होता है जो चंद्रोदय के समय रहती है। वर्ष और स्थान के अनुसार अपने शहर का पंचांग और चंद्रोदय समय देखें।

सामान्य सामग्री

गणेशजी की प्रतिमा या चित्र, स्वच्छ जल, दूर्वा, फूल, अक्षत, चंदन या रोली, धूप, दीपक, फल और मोदक या घर का बना प्रसाद रखें। सामग्री की संख्या और प्रकार घर की परंपरा के अनुसार बदल सकते हैं।

सुबह का संकल्प

स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहनें। गणेशजी का स्मरण करके अपनी क्षमता के अनुसार व्रत का संकल्प लें। कोई फलाहार रखता है और कोई सामान्य भोजन में संयम के साथ पूजा करता है; कठिन उपवास अनिवार्य न समझें।

पूजा स्थान साफ रखें। दीपक सुरक्षित जगह जलाएँ। यदि मंदिर जाते हैं तो दर्शन और अर्पण की स्थानीय व्यवस्था मानें।

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ गणपति पूजन का सरल क्रम ॥

१. आवाहन और अर्पण

संध्या में गणेशजी के सामने बैठकर हाथ जोड़ें। प्रतिमा के पास जल का प्रतीकात्मक अर्पण करें। चित्र की पूजा में उस पर जल न डालें। फिर चंदन या रोली, अक्षत, फूल और स्वच्छ दूर्वा अर्पित करें।

२. मंत्र और नैवेद्य

“ॐ गं गणपतये नमः” का जप करें। धूप-दीप दिखाएँ और मोदक, लड्डू, फल या उपलब्ध सात्त्विक प्रसाद चढ़ाएँ। मन में विवेक, धैर्य और सबके कल्याण की प्रार्थना करें।

३. कथा और आरती

उस महीने की संकष्टी कथा पढ़ें या सुनें। गणेश आरती करें और प्रसाद बाँटें। चंद्रमा के उदय के बाद चंद्र अर्घ्य की परंपरा हो तो उसका समय और तैयारी पहले से देख लें।

पूजा में सामग्री कम हो तो साफ जल, दीप और गणेश नाम-जप से भी सरल आराधना की जा सकती है। पूजा के बाद स्थान स्वच्छ रखें।

॥ वक्रतुण्ड महाकाय ॥